



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 347]
No. 347]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 22, 1988/आषाढ़ 1, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 22, 1988/ASADHA 1, 1910

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिनियम
आय-कर

नई दिल्ली, 22 जून, 1988

पूरी प्रतिलिपि खाना स्कीम, 1988

सा.का.नि. 734(अ). केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 54 की उपधारा (2), धारा 54ख की उपधारा (2) की धारा 54घ की उपधारा (2), धारा 54ज की उपधारा (4) और धारा 54छ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना:

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम पूर्वी वित्तिकेय खाना स्कीम, 1988 है।
- (2) यह राजस्व में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होगी।
- (3) यह उन सभी निर्वर्तिताओं को लागू होगी है, जो आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 54 54ख 54घ, 54ज या 54छ के अधीन स्टैंड के विषय में हैं।

2. परिभाषाएं:

- इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ के अन्वये अपेक्षा न हो,
- (क) 'खाना', से इस स्कीम के अधीन विशेष खाना अभिप्रेत है;
- (ख) 'खाना-क' से इस स्कीम के पैरा 4 में वर्णित विशेष खाना अभिप्रेत है;
- (ग) 'खाना-ख' से इस स्कीम के पैरा 4 में वर्णित विशेष 'खाना-ख' अभिप्रेत है;
- (घ) 'अधिनियम' से आ.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अभिप्रेत है;
- (ङ) 'निर्देश कार्यालय' से भारतीय स्टैंड बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) के अधीन गठित भारतीय स्टैंड बैंक की या भारतीय स्टैंड बैंक (समन्वयन) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) में परिभाषित दिकों समन्वयन निदेश की या बैंककारी कानून (उपनिवेशों के अधीन और अन्यथा) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) का प्रा. के अधीन या बैंककारी कानून (उपनिवेशों के अधीन और अन्यथा) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 के अधीन गठित किसी निकाय की या कोई निकाय या निकाय कार्यलय अभिप्रेत है, या केन्द्रीय

सरकार द्वारा राजपत्र में अधिमूचना द्वारा इस स्कीम के अर्थात् विशेष प्राप्त करने और विशेषकर्ता का खाता बनाए रखने के लिए प्राधिकृत किया गया हो;

- (क) "निक्षेपकर्ता" से कोई ऐसा निष्पक्षित व्यक्ति है, जो इस अधिनियम की धारा 54, 54ख, 54घ, 54च या 54छ के अर्थात् निक्षेप करने के लिए पात्र है।
- (ख) उन सभी व्यक्तियों और पक्षों का जो यहाँ प्रयुक्त है किन्तु परिभाषित नहीं है और इस अधिनियम में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उनका इस अधिनियम में है।
- (ग) "प्रत्येक" से इस स्कीम में संलग्न कोई प्रत्येक अभिप्रेत है।

3. निक्षेप कैसे किया जाएगा—

कोई निक्षेप अधिनियम की धारा 54, या धारा 54ख या धारा 54घ या धारा 54च या धारा 54छ के उपबन्धों के अधीन, यथास्थिति, इस अधिनियम की उपर्युक्त धारा या धाराओं के अधीन फायदा लेने का आशय रखने वाले किसी निक्षेपकर्ता द्वारा इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार किया जा सकेगा।

4. निक्षेप के प्रकार—

- (1) निक्षेप खाली दो प्रकार के होंगे, अर्थात्—

(i) "निक्षेप खाता" और

(ii) "निक्षेप खाता-ख"।

- (2) खाता-क के अधीन किया गया निक्षेप 'व्यक्ति निक्षेप' के रूप में होगा और इस स्कीम के अन्य उपबन्धों के अधीन रहने हुए, निक्षेपकर्ता इसे खाली के अधीन समय समय पर रकम निकाल सकेगा।
- (3) खाता-ख के अधीन किया गया निक्षेप 'सावधि निक्षेप' के रूप में होगा जिसमें निक्षेपकर्ता को निक्षेप को संश्लेष निक्षेप या अर्धसंचयी निक्षेप के रूप में रखने का विकल्प होगा। पैरा 7 और पैरा 9 के अधीन जैसा उपबन्धित है उसके विवाच्य इस धारा के अधीन रकम उन अवधि के अवसत् के परवर्त हो निकाली जा सकेगी जिसके लिए इस खाते के अधीन निक्षेप किया गया है और स्वीकार किया गया है।
- (4) ऐसे निक्षेप एकमुश्त में या किसी में, अधिनियम की धारा 539 की उपधारा (1) के अधीन आय की विवरण देने का सम्बन्ध तारीख को या उसके पूर्व, जैसा कि निक्षेपकर्ता के मामले में लागू हो, किए जा सकेंगे।

5. खाता खोलने के लिए आवेदन—

- (1) इस स्कीम के अधीन पहले बार एक या अधिक खाते खोलने का इच्छुक प्रत्येक निक्षेपकर्ता निक्षेप, कार्यालय की प्रत्येक में या उससे परामर्शमय मिलने जुलने प्रणय में, दो प्रतियों में आवेदन करेगा और उप-पैरा (4) में निर्दिष्ट रीति से दत्त निक्षेप की रकम निविदन करेगा और वह निक्षेपकर्ता को अधिनियम की एक से अधिक धारा के अधीन फायदा लेने का आशय रखता है, जैसा कि पैरा 3 में निर्दिष्ट है, ऐसी धाराओं में से प्रत्येक के अधीन एक या अधिक खाते खोलने के लिए उम्मीद रीति से पृथक् पृथक् आवेदन करेगा।
- (2) निक्षेपकर्ता उप-पैरा (1) के अधीन आवेदन करने समय इस विकल्प का प्रयोग करेगा कि वह खाता-क में निक्षेप करने चाहता है या खाता-ख में या दोनों खातों में, और इन निक्षेपकर्ता की दशा में जो खाता-ख खोलने के विकल्प का प्रयोग करना है निक्षेपकर्ता इस विकल्प का प्रयोग भी करेगा कि वह

पैरा 4 के उप-पैरा (3) में परिभाषित संलग्न या सम-समी निक्षेप में से कौनसा निक्षेप करना चाहता है।

- (3) उप-पैरा (1) के अधीन आवेदन प्राप्त होने पर, निक्षेप कार्यालय निक्षेपकर्ता के नाम में, उप-पैरा (2) के अधीन उक्त द्वाय, किए गए विकल्प के अनुसार एक या अधिक खाते खोलगा।
- (4) निक्षेप की रकम का सदाय निक्षेपकर्ता या दा नगद में करेगा या रेखांकित बैंक में या डाक में आवेदन के साथ करेगा।
- (5) प्रत्येक पञ्चासवर्ती निक्षेप उस निक्षेप कार्यालय में, जिसमें खाता है, उम्मीद रीति में जो उप-पैरा (4) में बताई गई है किया जाएगा।
- (6) यदि निक्षेप या बैंक डाक से किया जाता है तो, ऐसे बैंक या डाक को बमुन्नी होने के अधीन रहने हुए, अधिनियम के अधीन छुट या दाक करने के प्रयोजन के लिए निक्षेप की प्रभावी तारीख वह तारीख होगी जिसमें बैंक या निक्षेप उप-पैरा (1) या उप-पैरा (5) के अधीन आवेदन के साथ निक्षेप कार्यालय द्वारा प्राप्त किया जाता है।
- (7) निक्षेप की रकम पर ब्याज प्रोद्भूत होगा और उसकी गणना पैरा 8 के उपबन्धों के अधीन रहने हुए, नगद में निक्षेप करने की तारीख से या निक्षेपकर्ता द्वारा दिए गए बैंक या डाक की रकम की बमुन्नी की तारीख से की जाएगी।
- (8) खाता-क के अधीन निक्षेप की दशा में, निक्षेप कार्यालय निक्षेपकर्ता को एक पाम-बुक देगा जिसमें निक्षेपों की सभी रकम और निकाली जाने वाली सभी रकमों उस पर गण्य ब्याज सहित निक्षेप कार्यालय के प्राधिकृत अधिकारियों के हस्ताक्षर से प्रविष्ट की जाएगी।
- (9) खाता-ख के अधीन निक्षेप की दशा में, निक्षेप कार्यालय एक निक्षेप रसीद देगा जिसमें निक्षेप की मूल रकम, निक्षेप की तारीख की परिपक्वता की तारीख, निक्षेप कार्यालय के प्राधिकृत अधिकारियों के हस्ताक्षर से प्रविष्ट की जाएगी।

6. पाम बुक या रसीद की दूसरी प्रति का दिया जाना—

पैरा 5 के उप-पैरा (8) या उप-पैरा (9) में निर्दिष्ट पाम बुक या रसीद के खो आने या नष्ट हो जाने का स्थिति में, निक्षेप कार्यालय उक्त निमित्त आवेदन दिये जाने पर, उपर्युक्त दूसरी प्रति देगा।

7. खाते का अन्तर्गण और संश्लेषण—

- (1) निक्षेपकर्ता, यदि वह ऐसी बांछा करता है तो, अपने खाते या खातों की एक ही बैंक के एक निक्षेप कार्यालय में अथवा निक्षेप कार्यालय को अन्तर्गण के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (2) खाता-ख में निक्षेप रखने वाला कोई निक्षेपकर्ता, किसी समय, यदि वह ऐसी बांछा करे तो प्रत्येक या उस परामर्शमय मिलने-जुलने प्रणय में, अपनी निक्षेप रसीद सहित खाता-ख में अपने नाम में जमा रकम के अधिनियम की उम्मीद धारा के अधीन, जिसके अधीन उस खाता-ख खोला गया था, खोले गए खाता-क में अन्तर्गण के लिए आवेदन कर सकेगा और निक्षेपकर्ता का अनुसूचित इस स्कीम के अन्य उपबन्धों के अधीन रहने हुए स्वीकार किया जा सकेगा।
- (3) (क) उप-पैरा (2) के अधीन आवेदन करने समय कोई निक्षेपकर्ता प्रत्येक में अपने खाता-क को अश्लेषित विनिश्चित, जिसमें रकम खाता-ख में अन्तर्गण की जाने के लिए अश्लेषित है, देगा, (ख) वह निक्षेपकर्ता का खाता-क में निक्षेप नहीं है, वह ऐसे नगद या कथन योग्य और प्रत्येक में निर्दिष्ट नगद में अपने नाम में खाता-क खोलने के लिए निवेदन कर सकेगा।

- (4) यदि उप-पैरा (2) के अधीन खाता-ख में जमा रकम के अन्तरण के लिए, उस विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति के पूर्व जिसके लिए खाता-ख में निक्षेप किया गया था, अनुसूची-किया गया है तो ऐसा अनुसूची उक्त खाता-ख में निक्षेप में रकम का समय पूर्व प्रत्याहरण माना जाएगा और उक्त खाता-ख में प्रोद्भूत ब्याज की रकम, यदि कोई है, पैरा 8 की उप-पैरा (4) के उपबंधों के अनुसार निक्षेप कार्यालय द्वारा परिकल्पित की जाएगी।
- (5) यदि उप-पैरा (2) के अधीन अनुसूची खाता-ख में जमा रकम के अन्तरण के लिए उस विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् जिसके लिए खाता-ख में निक्षेप किया गया था, किया गया है, तो खाता-ख में प्रोद्भूत ब्याज की रकम खाता-ख में निक्षेप के संबंध में पैरा 8 के अनुसूची में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट रूप में सामान्य दर पर परिकल्पित की जाएगी।
- (6) उप-पैरा (2) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर निक्षेप कार्यालय खाता-ख में प्रोद्भूत ब्याज की रकम, यदि कोई हो, उस तारीख तक जिसकी खाता-ख में रकम का वास्तविक अन्तरण किया जाता है, पैरा 8 के उपबंधों के अधीन रहते हुए परिकल्पित करेगा और खाता-ख में जमा हुए रकम की खाता-ख में अन्तरित करने के पश्चात् खाता-ख को बन्द कर देगा:
- परन्तु जहां अन्तरण के ऐसे मामले में निक्षेपकर्ता का खाता-ख में कोई निक्षेप नहीं है वहां खाता-ख निक्षेपकर्ता के नाम में खोला जाएगा और उसके पश्चात् खाता-ख में उनके नाम में जमा रकम इस प्रकार खोले गए खाता-ख में अन्तरित की जाएगी।
- (7) निक्षेपकर्ता, यदि वह ऐसा चाहे तो, प्रत्यक्ष में, अपनी पास-बुक सहित, अधिनियम की उम्मीदों के अधीन, जिसके अधीन उसका खाता-ख खोला गया है, खाता-ख में अपने नाम जमा रकम के पूर्णतः या भाग्यः अन्तरण के रूप में खाता-ख में अपने नाम में खोलने के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (8) खाता-ख के खाता-क में या ऊपर विनिर्दिष्ट रीति से विपर्ययेत सम्परिवर्तन के पश्चात् यथास्थिति नए खोले गए खाते या खातों में ब्याज ऐसे खाते या खातों के खोले जाने की तारीख में प्रोद्भूत होगा—

8. व्याज—

- (1) व्याज ऐसी दर पर जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, प्रत्येक क्लैरिफर मास के लिए खाता-क के अधीन किसी निक्षेप के निरन्तर अतिरिक्त पर 10वें दिन की समाप्ति और मास की समाप्ति के बीच अनुज्ञापित किया जाएगा और व्याज वर्ष के अंत में खाते में जमा किया जाएगा।
- (2) ब्याज ऐसी दर पर जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, खाता-ख में निक्षेप के संबंध में अनुज्ञापित किया जाएगा। खाता-ख में संशर्षा निक्षेप की दशा में प्रोद्भूत ब्याज का रकम पुनः निश्चित की गई समझा जाएगा और खाता-ख में प्रसंचयी निक्षेप की दशा में ब्याज की रकम त्रैमासिक अंतरालों पर ब्याज संदेय होगी।
- (3) खाता-क के संबंध में प्रत्येक आधे वर्ष के अन्त में ब्याज का अन्तर्गत जमा किया जाएगा जब तक एक रु. या अधिक हो और खाता-क या खाता-ख के संबंध में संदेय ब्याज की कुल रकम निरुद्धन पांच पैसे तक पूर्णांकित की जाएगी।
- (4) यदि कोई निक्षेपकर्ता पैरा 7 या पैरा 9 या पैरा 13 के अधीन यथास्थिति खाते के सम्परिवर्तन या खाते से प्रत्याहरण या खाते के बन्द किए जाने के लिए उस कालावधि के पूर्व जिसके लिए खाता-ख में निक्षेप को निक्षेप कार्यालय द्वारा स्वीकार किया गया है, आवेदन करता है, तो ऐसे निक्षेप के

सम्बन्ध में संदेय ब्याज की दर वह होगी जो उस कालावधि को, जिसके लिए वह निक्षेप, निक्षेप कार्यालय के पास रहा था, लागू है जिसमें से यथास्थिति ऐसे सम्परिवर्तन या प्रत्याहरण या बन्द किए जाने के कारण समयपूर्व प्रत्याहरण के लिए 1 प्रतिशत शरित स्वरूप काट लिया जाएगा और निक्षेपकर्ता के खाते पहले से ही जमा की गई ब्याज की रकम के सम्बन्ध में ऐसे समयपूर्व सम्परिवर्तन प्रत्याहरण या बन्द किए जाने के कारण किए जाने के लिए अपेक्षित कोई समायोजन खाता-ख में निक्षेपकर्ता के नाम में पूरी हुई रकम के संबंध में निक्षेप कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

9. खाते से प्रत्याहरण—

- (1) खाता-क रखने वाला कोई निक्षेपकर्ता, प्रारम्भिक अधिवान करने के पश्चात् किसी समय, यदि वह ऐसी चाहे तो प्रत्यक्ष या यथा सम्भव उससे मिलते-जुलते प्रत्यक्ष में पास-बुक सहित निक्षेप कार्यालय को खाता-क में अपने नाम-जमा प्रति शेय में रकम के प्रत्याहरण के लिए, उस स्कीम के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, आवेदन कर सकेगा।
- (2) उप-पैरा (1) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर निक्षेप कार्यालय, उप-पैरा (3) के उपबंधों के अधीन रहते हुए प्रत्याहरण की अनुज्ञा देगा और प्रत्याहृत की गई रकम को पास-बुक में प्रविष्ट करेगा।
- (3) प्रारम्भिक प्रत्याहरण से भिन्न, खाता-क से किसी प्रत्याहरण के समय निक्षेपकर्ता प्रत्यक्ष में दो प्रतियों में प्रत्याहरण के ठीक पूर्व रकम के उपयोग की रीति और विस्तार की शक्ति ब्योरे देगा। निक्षेप कार्यालय प्रत्यक्ष की एक प्रति रख लेगा और दूसरी प्रति निक्षेपकर्ता को सम्भव रूप से उसे अधिप्रमाणित करने के पश्चात् वापस कर देगा।
- (4) जहां उप-पैरा (2) में निर्दिष्ट प्रत्याहरण की रकम पञ्चीन हजार रुपये से अधिक है वहां निक्षेप कार्यालय उप-पैरा (3) में विहित शर्तों की पूर्ति के अधीन रहते हुए निक्षेपकर्ता को उस व्यक्ति के पक्ष में, जिसकी निक्षेपकर्ता संदाय करने का आग्रह रखता है, लिखे गए काम मागदेय ड्राफ्ट के रूप में संदाय करेगा।
- (5) खाता-ख में अपने निक्षेप में प्रत्याहरण करने का आग्रह रखने वाला निक्षेपकर्ता खाता-ख में अपने नाम जमा रकम के खाता-क में अन्तरण के लिए पैरा 7 के उप-पैरा (2) में विहित रीति में पहले आवेदन करेगा और अपेक्षित रकम को उगी रीति में और उन्हीं शर्तों के अधीन रहते हुए, जो उप-पैरा (1) और (3) में अनुबद्ध की गई है, निक्षेप कार्यालय द्वारा अपने खाता-ख में जमा रहने के अपने खाता-क में जमा कर दिए जाने के पश्चात् अतिरिक्त नाम की प्रत्याहृत कर सकेगा।
- (6) यदि उप-पैरा (5) के अधीन आवेदन उस विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति के पूर्व, जिसके लिए खाता-ख में निक्षेप किया गया था, किया गया है तो ऐसा प्रत्याहरण समय पूर्व माना जाएगा और प्रोद्भूत ब्याज की रकम, यदि कोई हो, पैरा 8 के उप-पैरा (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए परिकल्पित की जाएगी।
- (7) उप-पैरा (5) के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर निक्षेप कार्यालय देय और संदेय रकम का, खाता-ख में प्रोद्भूत ब्याज की रकम सहित, खाता-क में उसी रीति से और उन्हीं शर्तों की रकम रहते हुए जो पैरा 7 में अनुबद्ध की गई है, अन्तरण करेगा और उसके पश्चात् निक्षेपकर्ता द्वारा प्रत्याहरण के लिए दिए गए अनुसूची को उसी रीति से और उन्हीं शर्तों के अधीन रहते हुए, जो उप-पैरा (1), (2), (3) और (4) में अनुबद्ध की गई है, अनुज्ञापित करेगा।

प्रकरण क

[पृष्ठ 5 का उपपृष्ठ (1) देखिए]

(दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाए)

निक्षेप कार्यालय का नाम

जन्म सं.

पूँजी अभिलेख खाता स्वामि, 1988 के अधीन खाता खोलने के लिए आवेदन

सेवा में

प्रमाण

[निक्षेप कार्यालय का नाम और पता]

में
[*आवेदक/ *निक्षेपकर्ता का नाम और पता]

आयु... वर्ष... पूँजी अभिलेख खाता स्वामि, 1988 के अधीन (अधिनियम की धारा *

54/54ख/54घ/54ग/54घ के निबन्धनों के अनुसार)

(निक्षेपकर्ता का नाम)

के नाम से जिनका मैं *मरका/*बर्ग/*पात्रिकृत "अधिकारी हूँ *खाता-क और/या खाता-ख खोलने के लिए आवेदन

करता हूँ और निम्नलिखित व्यंग्य के अनुसार निक्षेप के लिए.... रुपये की रकम तकद/*क्रास बैंक/*भांगदेय
ड्राफ्ट के रूप में निबिद्ध करता हूँ :

(क) निक्षेपित रकम

.....
(अकां में).....
(पात्रों में)*तकद/..... पर लिखे *क्रास बैंक/*भांगदेय ड्राफ्ट
में..... तारीख

(ख) निक्षेपकर्ता का पता

2. *मे, इस समय, उक्त खाते में अपना जमा रकम की बाबत नामनिर्देशन करना चाहता हूँ/मैं इस समय,
उक्त खाते में अपनी अमा रकम की बाबत नामनिर्देशन करना नहीं चाहता हूँ।

3. (क) निक्षेपकर्ता के साथ (निक्षेपकर्ता के अवयस्क होने की वशा में) आवेदक का सम्बन्ध :

(ख) क्या आवेदक, अवयस्क निक्षेपकर्ता का प्राकृतिक मरका ह/स्वाधालय द्वारा नियुक्त संरक्षक है ?

(ग) अवयस्क के जन्म की तारीख :

4. निक्षेपकर्ता का स्थायी अधिकार लेखा सं.
(जन्म/च/डे/किल/रेज अहां निर्धारित किया गया।)5. पूर्वे तर्ती पर.....
(जैसा निक्षेपकर्ता की दण में लागू होता है)[..... मास से.....
..... मास तक.....
..... 19.....

6. निर्धारण वर्ष, त्रिमर्ती बाबत निक्षेप किया जाना है

7. (क) क्या निक्षेप खाता-क खाता-ख के अधीन या खाता-क और/या खाता-ख में मन्त्रित किया जाना
है ?

(ख) निक्षेप खाता क और खाता ख के अधीन किए जाने की दशा में

- (1) खाता क के अधीन निक्षेप (अंका में) रुपए की जाने वाली
रकम (शब्दां में) रुपए
- (2) खाता ख के अधीन निक्षेप (अंकां में) रुपए
की जाने वाली रकम (शब्दां में) रुपए

(ग) खाता ख की दशा में

- (1) अवधि, जिसके लिए निक्षेप किया जाना है
- (2) क्या निक्षेप *संचयी/ *असंचयी के रूप में किया जाना है ?

निक्षेपकर्ता का या निक्षेपकर्ता के संरक्षक/वर्ती/
प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

.....
अतिरिक्त नमूना

तारीख

स्थान

निक्षेप कार्यालय के उपयोग के लिए

(क) खाता-क से

श्री (निक्षेपकर्ता का नाम)

. के नाम से रुपए के बाधा तारख का खाना गया है

△

(ख) पास बुक से आवेदक/निक्षेपकर्ता को जारी कर दी गई है।

(ग) खाता ख से श्री (निक्षेपकर्ता का नाम)

के नाम से रुपए के साथ *संचयी/असंचयी निक्षेप के रूप में
तारीख को खोला गया है।

(घ) रुपये के निक्षेप की रसीद में

तारीख आवेदक/निक्षेपकर्ता को

तारीख को परिवर्तित कर दी गई है।

3 *आवेदक/निक्षेपकर्ता द्वारा निर्दिष्ट उक्त लिखा चीज से तारीख भुनाय
नहीं गया है/अतः खाता नहीं खोला गया है।

तारीख

भारताधिक अधिकारी

टिप्पणी: 1. जा लागू नहीं होता उसे काट दे।

- खाते जाने की आशयित खाता/वार्ता की किस्म की बाबत विकल्प और निक्षेप की जाने वाली रकम और अन्य ब्यौटे (यदि दा खाने अधीन खाता क और खाता ख खोलने हैं) का वर्णन संबंधित स्तम्भ में अवश्य किया जाना चाहिए।
- *व्यक्ति निक्षेपकर्ता के नामनिर्देशन करने को आशयित होने की दशा में इस आवेदन के साथ नामनिर्देशन प्रत्यक्ष, अथवा प्रस्तुत बिना जा चाहिए अथवा आवेदक को प्रत्यक्ष के स्तम्भ 2 के नीचे के उस भाग को काट देना चाहिए जो लागू नहीं होता है।
- स्तम्भ 3 किस्म अवयव को आरंभ किए गए निक्षेप के लिए है।
- यदि कोई ब्यौटे प्रस्तुत करने के लिए स्तम्भ के अधीन उपबंधित स्थान निर्धारित नहीं है तो उसे पृथक् अनुसूचक बनाकर और संबंधित स्तम्भ में इस संबंध में निर्देश देने हुए प्रस्तुत किया जा सकता है।

पृष्ठ सं.

[पैरा 7 का उपपैरा (2) (3) और (7) देखिए]

निक्षेप वाचनिक का नाम

पत्र सं.

पूरी अभिव्यक्ति खाता नम्बर, 1988 के अधिनियम संख्या 1988 के अधिनियम के लिए आवेदन।

रकम,

प्रत्यक्ष
.....

(निक्षेप वाचनिक का नाम और पता)

..... (*आवेदक/निक्षेपकर्ता का नाम)

निम्नलिखित के लिए आवेदन करना है

"2. (अंका में) की मूल रकम का, आपके वाचनिक में मेरे नाम से
(शब्दों में)

(निक्षेपकर्ता का नाम और पता)

के नाम से रखे गए खाता-सं. (निक्षेप रकम सं.) पर प्रोद्भूत आय की रकम के भाग, अर्थात्,

(क) *आपके वाचनिक में मेरे नाम से/उपरोक्त निक्षेपकर्ता के नाम से रखे गए खाता सं., पामबुक सं. में

(ख) *तथा खाता-सं. में जिसे मेरे नाम से/उपरोक्त निक्षेपकर्ता के नाम से कृपया खोल दें।

मैं उक्त रकम, पूर्णतः खाता-सं. में, जो आपने वाचनिक में रखा गया है *जो खोला जाता है अर्थात् वाचनिक के प्रयोजनार्थ निक्षेप
रकम सं. में जमा करना हूँ।"3. (1) मेरे नाम से/ के नाम से तारीख से दिन/मास/वर्ष की
(निक्षेपकर्ता का नाम और पता)अवधि के लिए तथा खाता-सं. खोला और आपके वाचनिक में रखे गए मेरे नाम से/उक्त निक्षेपकर्ता
(निक्षेपकर्ता का नाम)

के नाम से खाता-सं.

(पामबुक सं.) में जमा रकम के अतिरिक्त मैं
(अंका में)..... का रकम का अन्तर्गत ऐसा तब खाता-सं. में करने के लिए
(शब्दों में स्पष्ट)

(2) मैं तथा खाता-सं. में उक्त रकम को अन्तर्गत करने के प्रयोजनार्थ उपरोक्त पामबुक सं. में जमा करना हूँ।

4. *यह आवेदन उपरोक्त
(निक्षेपकर्ता का नाम)

जा अवश्य है, कि ओर में संरक्षक के रूप में मेरे द्वारा किया जाता है।

5. *यह आवेदन अर्थात् हिन्दु निक्षेपक कट्टर के रूप में मेरे द्वारा किया जाता है।

6. *यह आवेदन, मेरे द्वारा उपरोक्त *कार्य *कर्ता/व्यक्तियों का *नाम/व्यक्तियों के निवास का
प्राधिकृत अधिकारी के रूप में किया जाता है।निक्षेपकर्ता/समर्थक/वर्ती/निक्षेपकर्ता के प्राधिकृत अधिकारी
के हस्ताक्षर/अंगुलि के निशान।

तारीख

स्थान

अतिरिक्त नमूना

निक्षेप कार्यालय के उपयोग के लिए

उपरोक्त खाता-सं. निक्षेप रसीद सं. में निक्षेप का परिपक्वता से * पहले/परिपक्व होने पर*/परिपक्वता के पश्चात् निकालने जाने के लिए अनुमत किया जाता है और उक्त खाता-सं. में के) (अंकों में)

..... (शब्दों में) (अंकों में)

..... (शब्दों में) (अंकों में)

पान बुक नं. में अन्तर्लिप्त किया गया है, जो उपरोक्त निक्षेपकर्ता (निक्षेपकर्ता का नाम*)

के नाम से रखा गया है/तारीख को खोला गया है और नया खोला गया खाता-सं. पासबुक नं. अन्तर्लिप्त आवेदक/निक्षेपकर्ता को तारीख अंको परिपक्व किया गया है।

* (2) (अंकों में) (शब्दों में)

..... निक्षेप रसीद सं. उपरोक्त निक्षेपकर्ता (निक्षेपकर्ता का नाम)

के नाम से दिव/मास/वर्ष की अवधि के लिए तारीख का खोला गया है और उक्त निक्षेपकर्ता के उपरोक्त खाता-सं. में जमा रकम के अतिरिक्त में से (अंकों में) (शब्दों में)

की रकम उक्त नया खाता-सं. में तारीख को अन्तर्लिप्त कर दी गई है।

तारीख

भारसाधक अधिकारी

टिप्पणी : 1. *जो लागू न होता हो उसे काट दें।

2. यदि स्वयं या स्वयं में उपरोक्त स्थान अरोक्षित ग्योरे प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं तो उन्हें पृथक अनुमति का उपयोग करके संबंधित स्वयं में उनका निर्देश करने हुए प्रस्तुत किया जा सकता है।

प्रारूप-—ग

(पैरा 9 का उपपैरा (1) देखिए)

(निर्धेय कार्यालय का नाम)

रु. क्रम सं.

पूर्वी अधिनाम खाना स्थिति, 1988 के अधीन खाता-क से रकम निकालने के लिए आवेदन

नेवा में

प्रत्येक

.....

.....

.....

.....

(निर्धेय कार्यालय का नाम और पता)

मैं ग्राम की

निरासी

(आवेदक/निर्धेयकर्ता का नाम)

(आवेदक/निर्धेयकर्ता का पता)

जायके कार्यालय में भेजना है

..... के नाम से रखे गए खाते-क सं. (गाम बुक
(निर्धेयकर्ता का नाम और पता)

मैं

)में से

(अकों में)

रकम

(शब्दों में)

अपनी रकम निकालना चाहता हूँ।

2 मैं एतद्वारा घोषणा और इसकी पुष्टि करता हूँ कि निकाली जाने वाली रकम का उपयोग आधुनिकीकरण की धारा 34^क/धारा 34ख^{*}/धारा 34घ^{*}/धारा 34च^{*}/धारा 34छ^{*} के उपबन्धों के निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए किया जाएगा:

*(i)

(ii)

(iii)

(iv)

(v)

(vi)

(vii)

3. मैं आपसे प्रत्याहरण की पूर्वाक्त रकम के निम्नलिखित रीति में अंदाज के लिए अनुरोध करता हूँ:

(i) (.....) की रकम इसमें
(अकों में) (शब्दों में)

ऊपर स्तम्भ 2 के क्रम सं. (*) पर उल्लिखित प्रयोजनों के लिए नकद रूप में संदाय की जाए,

(ii) (.....) की रकम इसमें
(अकों में) (शब्दों में)

ऊपर स्तम्भ 2 के क्रम सं. पर उल्लिखित प्रयोजनों के लिए संवाय आवेग/सांघेय ड्राफ्ट के रूप में को संदाय की जाए।

(उस पत्राकार का नाम और पता, जिसे कोई संदाय किया जाना है)

4. उपरोक्त निक्षेपकर्ता जो अनयस्क है, की ओर से अंशक के रूप में इसे आवेदन किया है।
(निक्षेपकर्ता का नाम)

5. उपरोक्त निक्षेपकर्ता* कने *इस व्यक्ति के व्यवसाय/व्यवसाय के विकास के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में इसे आवेदन किया है।

6. उपरोक्त निक्षेपकर्ता हिन्दू अधिभवन पुटुम्ब के कर्ता के रूप में इसे आवेदन किया है।
नाम

स्थान

निक्षेपकर्ता/अधिकांशकर्ता

*निक्षेपकर्ता के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

अतिरिक्त समूह

निक्षेप कार्यालय के उपयोग के लिए।

(1) कृपया की कूल रकम का प्रत्याहरण अनुज्ञान/अनुज्ञान नहीं किया गया क्योंकि निक्षेपकर्ता में अपने पूर्ववर्ती प्रत्याहरण व अंशक में प्ररक्षित व्योरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। पैरा 9 के उपरोक्त (1) के उपबन्धों के अनुसार अनुज्ञान नहीं किया गया क्योंकि प्रत्याहरण तकद रूप में आया गया है।

(11) प्रत्याहरण की रकम निर्धारित रूप में दी गई है

(क) तय है

(ख) जारी किया गया बैंक/सागदेय ड्राफ्ट

(व्योरे लिखें जाए)

नाम

आयोजक अधिकारी

टिप्पणी 1. जो लागू न हो उसे काट दें।

2. कृपया उस प्रयोजन के व्योरे का उल्लेख करें जिसके लिए रकम निकाली जाती है।

3. कृपया बिलिडिष्ट प्रयोजन और उस रकम संबंधित, जिस पर आवेदन के स्वम्भ 2 के प्ररक्षित प्रयोजन का उल्लेख किया गया है, के प्रतिनिधेश से तकद और सदाय आदेश/सागदेय ड्राफ्ट के रूप में सदाय का जाने वाली रकम का व्योरे और उस पक्षकार के नाम लिखा संबंधित (यदि कोई हो) का भी निम्न पक्षक में सागदेय ड्राफ्ट/सदाय आदेश जारी किया जाता है, उल्लेख करें।

4. स्वम्भ 4 व 5 किमी अनयस्क कपती, फर्म, हिन्दू अधिभवन पुटुम्ब, व्यक्तियों के समूह, व्यष्टिया का विकास की ओर से किए गए निक्षेपों में संबंधित है। इस विधि निक्षेप के मामले में से स्वम्भ काट दिए जाएं और अन्य मामलों में एक स्वम्भ, जो लागू हो, रख दिया जाए और शेष दो स्वम्भ काट दिए जाएं।

यदि स्वम्भों में दिया गया स्थान व्योरे में के लिए पर्याप्त न हो तो स्वम्भ 2.3 में संबंधित व्योरे उपबन्ध या उपाबन्धों के रूप में दिए जा सकते हैं।

प्रकार ७

(पैरा ७ का उपपैरा (3) देखिए)

(इस प्रतियोगिता में प्रयुक्त किया जाएगा)

(निक्षेप कार्यालय का नाम)

क्रम सं.

पूँजी अधिप्राप्त खाता संकीर्ण, 1988 के अधीन खाता से निकाली गई रकम का उपयोग की रीति और बिस्तार के संबंध में व्यंग्य

संज्ञा में,

प्रयोजक,

(निक्षेप कार्यालय का नाम और पता)

मैं, का पुत्र और

(निक्षेप कर्ता का नाम)

(पता)

..... का निवासी हूँ, पैरा ७ के उपपैरा (3) के अनुसार मेरे नाम में/ *पूर्वोक्त (निक्षेपकर्ता का नाम और पता निक्षेप) के नाम से आपके कार्यालय में रखे गए खाता में (प्राप्त बुक नं.)

में जमा शेष में से तारीख का मेरे द्वारा निकाली गई है,

(अंकी में)

(संख्या में)

रीति और बिस्तार के संबंध में अधिप्राप्त व्यंग्य प्रयुक्त कर रहा हूँ।

2. यह रीति/प्रयोजन जिसके लिए इसमें ऊपर उल्लिखित निकाली गई रकम का उपयोग किया गया है.

प्रयोजन	रकम		यह प्रकार किस हेतु किया गया है	ताउपर न. रसीद नं. (तारीख सहित)
	रु.	पै.		

3. मैं घोषणा और पुष्टि करता हूँ कि स्मरण ७ के अधीन इसमें ऊपर उल्लिखित प्रयोजन के लिए निकाली गई उस रकम का, जो इसमें ऊपर उल्लिखित है, * सात: उपयोग किया जा चुका है और का अनिवार्य पूर्णतः पूर्णतः खाने में को पुनःनिक्षेप करा दिया गया था/ *पूर्णतः उपयोग की जा चुकी है।

4. यह घोषणा मैंने पूर्णतः अनन्यसक्त निक्षेपकर्ता की ओर से जिनका मैं सहायक हूँ, की है।

5. यह घोषणा मैंने पूर्णतः *कर्म सम्पत्ती/व्यक्तियों के संगम/व्यक्तियों के निकाय, की ओर से जिसका मैं यह घोषणा करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी हूँ, की है।

6. यह घोषणा मैंने पूर्णतः दिवस/प्राधिकृत कुटुम्ब के कृपा के रूप में की है।

तारीख

स्माति

निक्षेपकर्ता/अधिकृत/वर्ग निक्षेपकर्ता के प्राधिकृत
अधिकारी के हस्ताक्षर/अंगुठी का निशान अनिवार्य
रखते

यह पञ्चायत और जिन्ना/वाइ/संकेत/रेज अत्रा निष्कारण किया गया

निक्षेप धारिणीय के उपभाग के लिए

२. का प्रत्यक्ष अनुदान किया गया/अनुदान नहीं किया गया चर्चा की
निकासी गई
३. का कुल रकम के बारे में ध्यान नहीं दिए गए हैं।

* धारिणीय/निक्षेपधारी का ध्यान प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है।

तारीख

महामन्त्री अखिलेश्वर

टिप्पणी 1. का लागू न हो उसे बाट दें।

2. स्तम्भ 4, 5, 6 किसी प्रकार के, फर्म, कर्मी, हिन्दी अधिकृत कुरुक्षेत्र, व्यक्तिगतों के विकास की ओर से किए गए निक्षेपों से संबंधित हैं। इसलिए व्यक्ति निक्षेपकर्ता इन स्तम्भों को बाट सकता है और इनके सामने में केवल एक स्तम्भ, जो लागू हो रहा निष्ठा जाए और फर्म स्तम्भ बाट दिए जाएं।
3. यदि स्तम्भ 2 में दिया गया स्थान अधिकृत धारिणीय देने के लिए पर्याप्त न हो तो उन्हें पृथक संलग्नता का प्रयोग करने और संबंधित स्तम्भ के अधिकृत उन्हें निर्दिष्ट करने हुए प्रस्तुत किया जाए।

परिचय

[विभाग 11 का उपपरिच्छेद (1) देखें]

(अध्यापक निदेशिका के माध्यम से प्रस्तुत करें)

(निदेशिका कार्यालय का नाम)

क्रम सं०

पत्रिका क्रमांक आर.सी. 1985 के अंतर्गत नामनिर्देशन का प्रमाण

निदेशिका में

प्रस्तुत

(निदेशिका कार्यालय का नाम और पता)

में

आ

(निदेशिका का नाम)

का पता और

(पता)

का निदेशिका में, नीचे उल्लिखित व्यक्ति (यों) का, जिसे/जिन्हें अन्य सभी व्यक्तियों का अपवर्णन करने हुए, पूजा अभिषेक आदि, र्क.स. 1988 के अधीन
 ज्ञातः क्र.सं. _____ पास हुए सं. _____ खाता-सं. _____
 निदेशिका क्र.सं. _____ में में खाते में जमा राशि मेरी मृत्यु की दशा में संपन्न होगी ता निर्दिष्ट करता हूँ।

क्र.सं.	नाम निर्देशिका (निदेशिका) का/के नाम	पतेवासी	पूरा पता (पते)	अवस्था का दशा में नामनिर्देशिका के अंतर्गत जारी
1				
2				
3				

ऊपर निर्दिष्ट क्रम संख्या का

पर नामनिर्देशिका अध्यापक हैं/हैं, इसलिए मैं आ/का/भारत/कुमारी

का

(नाम और पूरा पता)

नामनिर्देशिका (निदेशिका) की अवस्था का दौरान मेरी मृत्यु हो जाने की दशा में उक्त खाते (खाता) के अधीन जो राशि प्राप्त करने के लिए तैयार है/करता/करती है।

माता/पिता/हस्ताक्षर

नाम और पता

पता

निदेशिका के हस्ताक्षर/अंतिम का निदेशन

माता/पिता/हस्ताक्षर/अंतिम पत्राचार और निदेशिका/माता/पिता/पते स्थान _____ अंतिम निर्धारण किया गया।

माता/पिता के हस्ताक्षर

नाम और पता

पता

निदेशिका कार्यालय के उपयोग के लिए

उपरोक्त नामनिर्देशन _____ का रजिस्ट्रीकृत हो गया है और ज्ञातः क्र.सं. _____ के द्वारा म पास हुए सं. _____ ज्ञातः सं. _____ द्वारा में निर्देशिका क्र.सं. _____ के प्रविष्टि को जो बना है।

पता

भारत/भारत अधिकारी

टिप्पणी : आ लो.प. म हो उसे काट दें।

यदि हमने ऊपर स्तम्भ के अधीन दिया गया स्थान अपेक्षा करीब देने के लिए प्रयोग म हो तो उसे पृष्ठ म स्थान का प्रयोग करके और निदेशिका स्तम्भ के अधीन उन्हें निर्दिष्ट करने हुए प्रस्तुत किया जाए।

प्रकरण ३

[पैरा 11 का उपपैरा (5) देखें]

(निर्देश कार्यालय का नाम)

कम सं०

पूर्व, अधिसूचना खाता क्रमांक 1988 के अधीन खाते के संबंध में पहले किए गए नामनिर्देशन को रद्द करने या उसमें परिवर्तन

करने के लिए आवेदन

सेवा में

प्रबन्धक,

.....

.....

.....

(निर्देश कार्यालय का नाम और पता)

से, जी. पी. का

पुनः और का निर्देश है इसके पक्ष स्तम्भ 2

(निर्देशकर्ता का पता)

अधीन उल्लिखित अपने खाते/खातों के संबंध में मेरे द्वारा किए गए नामनिर्देशन का रद्द करता हूँ।

2 खाते/खातों के व्योरे

(1) खाता-क-.....

..... के पक्ष में किया गया नामनिर्देशन

(2) खाता-ख-सं-.....

..... के पक्ष में किया गया नामनिर्देशन।

3 इससे ऊपर स्तम्भ 2 के अधीन निर्दिष्ट रद्द किए गए नामनिर्देशन के स्थान पर से नीचे उल्लिखित व्यक्ति(यों) का जिस/जिन्हें अन्य सभी व्यक्ति(यों) का अपवर्जन करते हुए, इससे ऊपर स्तम्भ 2 के अधीन उल्लिखित खाते/खातों में मेरे नाम जमा रकम मेरा मुख्य हों जाने की दशा में संघे हस्ताक्षर नामनिर्दिष्ट करना हैं।

क्र.सं०	नामनिर्देशित(तिथी) के नाम	नामकामी	पूरा पता (पते)	अवश्य की दशा में नामनिर्देशित की अन्य भी पाराख
1.				
2.				
3.				
4.				

ऊपर कथित क्रम संख्यांक पर नामनिर्देशित अवयस्क हैं/हैं, अतः से श्री/श्रीमती/कुमार/

..... को भेजी गयी हो जाने की वक्ता में नामनिर्देशित(या निर्देशितियाँ) की अवयस्कता के दौरान उक्त खाता (खातों) के
(नाम और पूरा पता)

अधीन गोप्य सचिवालय करने के लिए व्यक्ति के सच में नियुक्त करता हुआ करता हूँ।

सचिव के हस्ताक्षर

नाम और पता

पाराख

स्थान

निर्देशकर्ता के हस्ताक्षर/मुद्रा के निशान

अवयस्क और निर्देशित/निर्देशितियाँ में बड़ा निशान किया गया।

विशेष कार्यविधि के उपयोग के लिए

इसमें उल्लेख है कि अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि वह अपने अधिकारों का उपयोग करके, जो कि अधिनियम के अंतर्गत दिए गए हैं, को लागू करने के लिए आवश्यक है। यह अधिनियम के अंतर्गत दिए गए अधिकारों का उपयोग करने के लिए आवश्यक है कि अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि वह अपने अधिकारों का उपयोग करके, जो कि अधिनियम के अंतर्गत दिए गए हैं, को लागू करने के लिए आवश्यक है।

गोपनीयता

आवश्यकता अधिनियम

निर्देशन जो लागू होता है, उसे लागू है। यदि इसमें उल्लेख किया गया है कि अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि वह अपने अधिकारों का उपयोग करके, जो कि अधिनियम के अंतर्गत दिए गए हैं, को लागू करने के लिए आवश्यक है।

अधिकारिता: राष्ट्रीय कानून निर्देशिका अधिकारी के द्वारा/अथवा (सार्वजनिक अधिकार) और समाज

निजोप कार्यालय के उपयोग के लिए

(बंद किए गए खाना/खानों* के ब्यौरे और संवत्न कुल रकम अभिलिखित की जाए)

1.-----

2.-----

3.-----

4.-----,

5.-----

6.-----

तारीख

भास्वाधक अधिकारी

टिप्पण : 1. जो लागू न हो, उसे काट दें ।

- 2 स्तम्भ 4, 5, 6 किसी भव्यस्क, फर्म, कम्पनी, व्यक्तियों के संगम, व्यष्टियों के निवास, अविभक्त हिन्दू कुटुम्ब के निमित्त किए गए निजोपों से संबंधित हैं । अतः व्यक्तिगत निजोपकर्ता को वहां से इन स्तम्भों को काट दिया जाए, अन्य मामलों में, केवल एक संबंधित स्तम्भ को रखा जाएगा और शेष दो को काट दिया जाए ।

प्रत्येक

[पैरा 13 का उपपैरा (2) और उपपैरा (3) देखिए]

(मृतक निक्षेपकर्ता के नामनिर्देशिती/विधिक वारिस द्वारा प्रस्तुत किया जाए)

(निक्षेप कार्यालय का नाम)

कम सं०

मृतक निक्षेपकर्ता के नाम निर्देशिती/विधिक वारिस द्वारा पूंजी अभिव्यक्त खाता स्कीम, 1988 के
अधीन खाता बंद करने के लिए आवेदन

सेवा में,

प्रबन्धक,

(निक्षेप कार्यालय का नाम और पता)

मैं/हम,

(मृतक निक्षेपकर्ता के नामनिर्देशिती/विधिक वारिस का नाम और पता)

स्कीम के पैरा 13 के उपपैरा (2)/उपपैरा (3) के निबंधनों में, नीचे वर्णित खाता/खातों को, जो आपके कार्यालय में, मृतक निक्षेपकर्ता के नाम

(निक्षेपकर्ता का नाम और पता तथा वह संघायत और जिला/वार्ड संकिल/रेंज जहाँ निर्धारण किया गया)

हैं, बंद करने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

2. मैं,

(नामनिर्देशिती का नाम)

पुत्र श्री

(पूरा पता)

पैरा 11 के उपपैरा (6) के

निबंधनों के अनुसार इसमें इसमें नीचे स्तम्भ 4 के अधीन वर्णित खाता/खातों में जमा देय संदाय को अभिप्राप्त करने के लिए आवेदन करता हूँ (यदि आवेदन नामनिर्देशिती द्वारा किया गया हो)।

3. मैं,

(विधिक वारिस का नाम)

पुत्र श्री

(पूरा पता)

निवासी

इसमें नीचे स्तम्भ 4 के अधीन वर्णित खाता/खातों में जमा देय संदाय को अभिप्राप्त करने के लिए यह आवेदन कर रहा हूँ और सभी अन्य विधिक वारिसों द्वारा दिए गए वादा त्याग के पत्र प्रस्तुत करता हूँ।

4. खाते/खातों के व्योरे—

(i) खाता-क सं०

पास बुक सं०

(ii) खाता-ख सं०

निक्षेप रसीद सं०

5. मैं/हम इसके साथ इसमें ऊपर वर्णित पास बुक/निक्षेप रसीद निबिद्ध करता हूँ/करते हैं।

तारीख

मृतक निक्षेपकर्ता के नामनिर्देशिती/विधिक वारिस के हस्ताक्षर/अंगूठे का
चिह्न

म्हान

(अधिकृत नमूना हस्ताक्षर)

प्रमुखोक्ति

(अधिकारिता रखने वाले निरीक्षण अधिकारी के (तारीख सहित) हस्ताक्षर और स्टम्प
निरीक्षण कार्यालय के उपयोग के लिए)

(बंद किए गए, खाता/खातों के व्योरे और नामनिर्देशित/विविध वारिम को संवत्त कुल रकम को अभिलेखित किया जाए)

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____

तारीख

भारतावध अधिकारी

टिप्पण : 1. जो भी लागू न हो, उसे काट दें।

2. यथास्थिति पास मुद्रा/निरीक्षण रसीद संलग्न की जानी चाहिए।

3. स्तम्भ 2 नामनिर्देशित द्वारा किए गए व्योरे से संबंधित है और स्तम्भ 3 विविध वारिम द्वारा किए गए व्योरे से संबंधित है। मत जो स्तम्भ लागू नहीं होता हो, उसे काट दिया जाए।

[सं० 8014/(एफ० सं० 133/113/87- टी पी एन)]

ए० एन० प्रसाद, निदेशक (टी पी एन-I)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd June 1988.

NOTIFICATION

INCOME-TAX

CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME 1988

G.S.R. 724 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 54, sub-section (2) of section 54B, sub-section (2) of section 54D, sub-section (4) of section 54F and sub-section (2) of section 54G of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby frames the following Scheme namely :—

1. Short title commencement and application.—

- (1) This Scheme may be called the Capital Gains Accounts Scheme 1988.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- (3) It applies to all assesseees who are eligible for exemption under section 54, 54B, 54D, 54F or 54G of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961).

2. Definitions —

In this Scheme unless the context otherwise requires,—

- (a) "account" means a deposit account under this Scheme;
- (b) "Account-A" means Deposit Account-A mentioned in paragraph 4 of this Scheme;
- (c) "Account-B" means Deposit Account-B mentioned in paragraph 4 of this Scheme;
- (d) "Act" means the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (e) "Deposit Office" means any branch or branch office of the State Bank of India constituted under the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), or of a subsidiary bank as defined in the State Bank of India (subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), or, of a corresponding new bank constituted under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), authorised by the Central Government, by notification in the Official Gazette, to receive deposit and maintain account of the depositor, under this Scheme;

(f) "depositor" means an assessee who is eligible to make a deposit under section 54, 54B, 54D, 54F or 54G of this Act;

(g) all other words and expressions used herein but not defined and defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

(h) "Form" means a form appended to this Scheme.

3. Deposits how to be made.—

A deposit or deposits may be made under the provisions of section 54 or section 54B or section 54D or section 54F or section 54G of the Act by any depositor intending to avail of the benefit under the said section or sections of the Act, as the case may be, in accordance with the provisions of this Scheme.

4. Types of Deposits.—

(1) There shall be two types of deposit accounts, namely:—

- (i) "Deposit ACCOUNT-A" and
- (ii) "Deposit ACCOUNT-B".

(2) The deposit made under Account-A shall be in the form of 'savings deposit' and subject to the other provisions of this Scheme withdrawals under this account can be made from time to time by the depositor.

(3) The deposit made under Account-B shall be in the form of 'term deposit' with an option to the depositor to keep the deposit as cumulative or non-cumulative deposit. Except as provided under paragraph 7 and paragraph 9, withdrawals under this account can be made only after the expiry of the period for which the deposit under this account has been made and accepted.

(4) Such deposits may be made in one lump sum or in instalments at any time on or before the due date of furnishing the return of income under sub-section (1) of section 139 of the Act as is applicable in the case of the depositor.

5. Application for opening Account.—

(1) Every depositor who is desirous of opening an account or accounts, as the case may be under this Scheme for the first time, shall apply to the deposit office in form A or as near thereto as possible, in duplicate and tender the amount of deposit payable in the manner specified in sub-paragraph (4) and a depositor intending to avail of the benefit

under more than one section of the Act, as referred to in paragraph 3, shall make separate applications in the same manner, for opening account or accounts under each of such sections.

- (2) While applying under sub-paragraph (1) of the depositor shall exercise his option as to whether the amount is to be deposited in Account-A or in Account-B or in both the accounts, and in case of the depositor exercising his option to open Account-B, the depositor shall also exercise his option as to whether the deposit is to be made as cumulative or non-cumulative deposit as referred in sub-paragraph (3) of paragraph 4.
- (3) on receipt of an application under sub-paragraph (1), the deposit office shall open an account or accounts in the name of the depositor as opted by him under sub-paragraph (2).
- (4) The payment of amount of deposit shall be made by the depositor either in cash or by crossed cheque or by draft alongwith the application.
- (5) Every subsequent deposit shall be made into the deposit office at which the account stands, in the same manner as stipulated in sub-paragraph (4).
- (6) If the deposit is made by a cheque or a draft then, subject to such cheque or draft being realised, the effective date of deposit for the purpose of claiming exemption under the Act will be the date on which the cheque or draft is received by the deposit office alongwith the application under sub-paragraph (1) or sub-paragraph (5), as the case may be.
- (7) The interest on the amount of deposit shall accrue and will be calculated subject to the provisions of paragraph 8, with effect from the date of deposit in cash or the date of realisation of the proceeds of the cheque or the draft tendered the depositor.
- (8) In the case of deposit under Account-A, the deposit office shall issue a passbook to the depositor wherein all amounts of deposits, withdrawals, together with interest due, shall be entered over the signature of the authorised officer of the deposit office.
- (9) In the case of deposit under Account-B, deposit office shall issue a deposit receipt wherein the principal amount of deposit, date of deposit, date of maturity of deposit shall be entered over the signature of the authorised officer of the deposit office.

6. Issue of Duplicate Passbook or Receipt.—

In the event of loss or destruction of the passbook or receipt referred to in sub-paragraph (8) or sub-paragraph (9) of paragraph 5, the deposit office may, on an application made to it in this behalf, issue a duplicate thereof.

7. Transfer and Conversion of the Account.—

- (1) A depositor may, if he so desires, apply for transfer of his account or accounts, from one deposit office to another deposit office of the same bank.
- (2) A depositor having a deposit in Account-B, may, at any time, if he so desires, apply in Form-B or as near thereto as possible, together with his deposit receipt, for transfer of the amount standing to his credit in Account-B to his deposit in Account-A opened under the same section of the Act under which the said Account-B was opened and the request of the depositor may be accepted subject to the other provisions of this Scheme.
- (3) (a) A depositor while applying under sub-paragraph (2) shall furnish in Form-B the requisite particulars of his Account-A to which the amount from Account-B is required to be transferred;
(b) Where the depositor is not having a deposit in Account-A he shall state such fact and also make a request for opening a Account-A in his name, as specified in Form-B.
- (4) If the request under sub-paragraph (2) has been made for transfer of amount standing to the credit in Account-B, before the expiry of the specific period for which the deposit Account-B was made, such request shall be treated as premature withdrawal of amount from deposit in the said Account-B and the amount of interest accrued, if any, in the said Account-B shall be calculated by the deposit office in accordance with the provisions of sub-paragraph (4) of paragraph 8.
- (5) If the request under sub-paragraph (2) has been made for transfer of amount standing to the credit in Account-B on or after the expiry of the specific period for which the deposit in Account-B was made, the amount of interest accrued in Account-B shall be calculated at normal rate as specified by the Reserve Bank of India in pursuance of paragraph 8 in respect of a deposit in Account B.

- (6) On receipt of an application under sub-paragraph (2), the deposit office shall calculate the amount of interest, if any, accrued Account-B till the date on which actual transfer of amount to Account-A is made, subject to the provisions of paragraph 8 and close Account-B after transferring the total amount standing to the credit in Account-B to Account-A :

Provided that where in such case of transfer the depositor does not have a deposit in Account-A, an Account-A shall be opened in the name of the depositor and the amount standing to his credit in Account-B shall then be transferred to Account-A as so opened.

- (7) A depositor, if he so desires, may apply in Form B together with his Passbook, for opening an Account-B in his name, by way of transfer of the whole or any part of the amount standing to his credit in Account-A, under the same section of the Act under which his Account-A has been opened.
- (8) After the conversion of Account-B to Account-A or vice-versa in the manner specified above, the interest in newly opened account or accounts, as the case may be, shall accrue with effect from the date of opening of such account or accounts.

8. Interest.—

- (1) Interest at such rate as may be specified by the Reserve Bank of India, from time to time, shall be allowed for each calendar month on the lowest balance at the credit of a depositor under Account-A, between the close of the 10th day and the end of the month and shall be credited to the account at the end of each half year.
- (2) Interest at such rate, as may be specified by the Reserve Bank of India, from time to time, shall be allowed in respect of deposit in Account-B. In case of cumulative deposit in Account-B, the amount of interest accrued will be deemed to have been reinvested and in case of non-cumulative deposit in Account-B, the amount of interest will become due and payable at quarterly intervals.
- (3) Interest due at the end of each half year in respect of Account-A will be credited only when the amount is Rs. 1/- or more and the total amount of interest payable in respect of Account-A or Account-B will be rounded to the nearest five paise.

- (4) If a depositor applies under paragraph 7 or paragraph 9 or paragraph 13 for conversion of the account or withdrawal from the account or closure of the account, as the case may be, before completion of the period for which the deposit in Account-B has been accepted by the deposit office, the rate of interest payable in respect of such deposit shall be the one applicable to the period for which the deposit remained with the deposit office less one per cent penalty for a premature withdrawal on account of such conversion or withdrawal or closure, as the case may be, and any adjustment required to be made on account of such premature conversion, withdrawal or closure with respect to amount of interest already credited to the account of the depositor, shall be made by the deposit office against the amount lying to the credit of the depositor in Account-B.

9. Withdrawal from the Account.—

- (1) A depositor having Account-A may, at any time after making the initial subscription, if he so desires, apply in Form C or as near thereto as possible, together with the Passbook to the deposit office for the withdrawal of amount from the balance to his credit in Account A, subject to the other provisions of this Scheme.
- (2) On receipt of an application under sub-paragraph (1) the deposit office shall, subject to the provisions of sub-paragraph (3), permit the withdrawal and enter the amount withdrawn in the Passbook.
- (3) At the time of any withdrawal from Account-A, other than the initial withdrawal, the depositor shall furnish in Form D in duplicate the details regarding the manner and extent of utilisation of the amount of immediately preceding withdrawal. The deposit office will retain one copy of Form D and return the other copy to the depositor after duly authenticating it.
- (4) Where the amount of withdrawal referred to in sub-paragraph (2) exceeds rupees twenty-five thousand, the deposit office shall make payment to the depositor, subject to the fulfilment of the conditions prescribed in sub-paragraph (3), by way of crossed demand draft drawn in favour of the person to whom the depositor intends to make the payment.

- (5) A depositor intending to make withdrawal from his deposit in Account-B, shall first apply in the manner prescribed in sub-paragraph (2) of paragraph 7 for transfer of the amount standing to his credit in Account-B to Account-A and may withdraw the requisite amount in the same manner and subject to the same conditions as stipulated in sub-paragraphs (1) and (3) after the amount standing to the credit in his Account-B has been credited to his Account-A by the deposit office.
- (6) In case the application under sub-paragraph (5) is made before the expiry of the specific period for which the deposit in Account-B was made, such withdrawal will be treated as premature withdrawal, and the amount of interest accrued, if any, shall be calculated subject to the provisions of sub-paragraph (4) of paragraph 8.
- (7) On receipt of the application under sub-paragraph (5), the deposit office shall transfer the amount due and payable, together with the amount of interest accrued, in Account-B, to Account-A in the same manner and subject to the same conditions as stipulated in Paragraph 7 and thereafter allow the request for withdrawal made by the depositor in the same manner and subject to the same conditions as stipulated in sub-paragraphs (1), (2), (3) and (4).

Explanation. For the removal of doubts, it is hereby clarified that the deposit office shall refuse the depositor to withdraw any amount lying in his account, in case of failure on his part to furnish all the details as required by sub-paragraph (3).

10. Utilitation of the amount of withdrawal.—

- (1) A depositor, withdrawing any amount out of the deposit made in pursuance of sub-section (2) of section 54 or sub-section (2) of section 54B or sub-section (2) of section 54D or sub-section (4) of section 54F or sub-section (2) of section 54G, shall utilise the whole or any part of the amount so withdrawn for the purpose specified in sub-section (1) of the section in relation to which the deposit has been made.
- (2) The amount withdrawn shall be utilised by the depositor within sixty days from the date of such withdrawal for the purpose specified in sub-paragraph (1) and the amount or any part thereof which has not been so utilised

shall be re-deposited in Account-A immediately thereafter.

11. Nomination by the Depositor.—

- (1) A depositor may nominate in Form B or as near thereto as possible, one or more persons but not exceeding three to receive the amount standing to his credit in Account-A or Account-B, as the case may be, in the event of his death before the amount has become payable or having become payable, has not been paid.
- (2) No nomination shall be made in respect of an account opened on behalf of a minor or Hindu Undivided Family or a firm or a company or an Association of person or a Body of individuals.
- (3) A nomination made by a depositor may be cancelled or varied by a fresh nomination in Form F or as near thereto as possible, by giving notice in writing to the deposit office in which the account stands.
- (4) Every nomination and every cancellation or variation thereof shall be registered in the deposit office and shall be effective from the date of such registration, the particulars of which in the case of a deposit in Account-A shall be entered in the Passbook and in the case of a deposit in Account-B shall be entered in the Deposit receipt, issued by the deposit office.
- (5) If the nominee is a minor, the depositor may appoint any person to receive the amount due under the account in the event of the death of the depositor during the minority of the nominee.
- (6) Where the nomination is in favour of more than one person, the nominee first named shall alone have the right to receive the amount standing to the credit in the account of the deceased depositor.
- (7) Where the nominee first named has pre-deceased the depositor and the depositor has not cancelled the nomination or substituted the nomination, the nominee second named shall be entitled to receive the amount standing to the credit in the account of the deceased depositor and so on in respect of other successive nominees:

Provided that if any nominee is dead, the surviving nominee or nominees shall, in addition to the proof of death of the depositor also furnish proof of death of the deceased nominee or nominees, as the case may be.

12. Charge or alienation.—

The amount standing to the credit of any depositor in any account shall not be placed or offered by him as security for any loan or guarantee and shall not be charged or alienated in any manner whatsoever.

13. Closure of the Account.—

- (1) If a depositor desires to close his account, an application shall be made with the approval of the Assessing Officer who has jurisdiction over the depositor to the deposit office in Form G or as near thereto as possible, and the deposit office shall pay the amount of balance including interest accrued, to the credit in the account of the depositor by means of crediting such amount to any bank account of the depositor.
- (2) If a depositor in respect of whose deposit account a nomination is in force, dies, the nominee, if he desires to close the account or accounts and obtain the payment of the balance standing to the credit in the account of the deceased depositor, shall make an application to the deposit office in Form H or as near thereto as possible with the approval of the Assessing Officer who has jurisdiction over the deceased depositor, and the deposit office shall pay the amount of balance, standing to the credit in the account of the deceased depositor including amount of interest accrued, by means of crediting such amount to any bank account of the nominee.
- (3) If a depositor, in respect of whose deposit no nomination is in force, the legal heir of the deceased depositor shall make an application to the deposit office in Form H or as near thereto as possible, with the approval of the Assessing Officer who has jurisdiction over the deceased depositor, and the deposit

office shall pay the balance standing to the credit in the account of the deceased depositor including the amount of interest accrued, by means of crediting such amount to any bank account of the legal heir:

Provided that where there are more than one legal heir of the deceased depositor, the legal heir making the claim individually may do so by producing the letter of disclaimer or letter of authorisation from other legal heirs in his favour:

Provided further that before granting the approval for closure of the account under this sub-paragraph, the Assessing Officer shall obtain from the legal heir a succession certificate issued under Part V of Indian Succession Act, 1925, or a probate of the will of the deceased depositor, if any or letter of administration to the estate of the deceased in case there is no will in order to verify the claim of such legal heir to the account of the deceased depositor.

- (4) The depositor or the nominee or the legal heir, in order to obtain payment of the amount standing to the credit in the account shall while applying in Form G or Form H, also submit the Passbook of Account-A or Deposit receipt of account-B, as the case may be, to the deposit office.
- (5) The payment made by the deposit office to the depositor or the nominee or the legal heir in accordance with the provisions of this paragraph shall constitute a full discharge to the deposit office of its liability in respect of the deposit.
- (6) Nothing contained in this paragraph or in paragraph 1 shall affect the right or claim which any person may have against the person to whom any payment is made under this paragraph.

FORM-A

(See sub-paragraph (1) of paragraph 5)

(To be submitted in duplicate)

Name of the Deposit Office

Serial No.....

APPLICATION FOR OPENING AN ACCOUNT UNDER THE CAPITAL GAINS ACCOUNTS
SCHEME, 1988

To

The Manager

(Name & address of the Deposit Office)

I,
(Name & address of the Applicant/*Depositor)aged.....years.....hereby apply for opening *ACCOUNT-A*AND/*OR
ACCOUNT-B, under the CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988, (in terms of section *54/*54B/*54D/
*54F/*54G of the Act) *in my name/*in the name of
.....of whom I am the *guardian/*karta/*authorise

(Name of the depositor)

officer, and tender herewith the amount of Rs.....in cash/by way
of *crossed Cheque/*Demand Draft, towards deposit as per details below.

1(a) Amount deposited

Rs.....
(in figures)Rs.....
(in words)*in Cash/by *Crossed cheque/*Demand Draft No.
dated.....drawn on.....

(b) Address of the Depositor :

**2. *I wish to make a nomination in respect of the amount to my credit in the said account/*I do not
wish to make nomination in respect of the amount to my credit in the said account, at present.3. (a) Applicant's relationship with the depositor
(in case the depositor is minor) :(b) Whether applicant is natural guardian/guardian appointed
by Court, for the minor depositor :

(c) Date of Birth of minor :

4. Depositor's permanent I. T. Account No./District/Ward/
Circle/Range where assessed :5. Previous year : Formto month.....
(as applicable in case of the depositor)

6. Assessment year in respect of which deposit is to be made :

7. (a) Whether deposit is to be made under ACCOUNT-A or
ACCOUNT-B or under ACCOUNT-A & ACCOUNT-B :

(b) In case the deposit is to be made under ACCOUNT-A & ACCOUNT-B—

(i) Amount to be deposited under ACCOUNT-A :

Rs.
(in figures)

Rs.
(in words)

(ii) Amount to be deposited under ACCOUNT-B :

Rs.
(in figures)

Rs.
(in words)

(c) In case of ACCOUNT-B

(i) period for which deposit is to be made :

(ii) Whether the deposit is made as *Cumulative/*Non-cumulative :

*SIGNATURE/THUMB IMPRESSION
OF THE DEPOSITOR
*OF THE GUARDIAN/*KARTA/
*AUTHORISED OFFICER OF THE
DEPOSITOR.

Date :

.....
ADDITIONAL SPECIMEN

Place :

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

1.(a) Account-A No.....has been opened on.....
with Rs.....in the name of.....
(name of the depositor)

(b) Pass Book No.....has been issued to the applicant/depositor.

(a) Account-B No.....has been opened on.....
with Rs.....in the name of.....
.....as *Cumulative/*Non-cumulative
(Name of the depositor)
deposit.

(b) Deposit Receipt No.....for Rs.....
dated.....has been delivered on.....
.....to the *applicant/depositor*.

3. Cheque No.....dated.....for Rs.....
drawn on.....tendered by the *applicant/
*depositor, has not been realised, hence account has not been opened.

Date :

.....
OFFICER-INCHARGE

Notes : 1 *Delete what is not applicable.

2. Option with respect to type of account/accounts intended to be opened and amount to be deposited and other details (in case two accounts i.e., ACCOUNT-A and ACCOUNT-B are to be opened) must be mentioned under the respective columns.

3. *Nomination Form E must be submitted along with this application in case of individual depositor intending to make nomination otherwise the applicant should delete the portion under Column 2 of the form whichever is not applicable.

4. Column 3 is for deposits made on behalf of a minor.

5. If space provided under the columns is not sufficient to furnish any detail the same may be furnished by way of using separate enclosure and making reference of the same in respective column.

FORM--B

[See sub-paragraphs (2), (3) & (7) of paragraph 7]

(Name of the Deposit Office)

Serial No.....

APPLICATION FOR CONVERSION OF ACCOUNTS UNDER THE CAPITAL GAINS ACCOUNTS
SCHEME 1988

To.

The Manager

(Name & Address of the Deposit
Office)I, hereby apply for
(Name of the applicant*/depositor*)*2. Transfer of the principal amount of Rs.....
(in figures)(Rupees.....) together with the amount of interest
(in words)accrued in Account-B No.....
(Deposit Receipt No.....) maintained with your
office in *my name/*the name of.....
(Name & Address of the depositor)(a) *To Account-A, No....., Pass Book No..... maintained
with your office in my name/*the name of aforesaid depositor;

(b) *to a new Account-A which may please be opened in my name/*in the name of aforesaid depositor.

I submit herewith the aforesaid Deposit Receipt No..... for the pur-
pose of transfer of said amount to aforesaid Account-A which* is maintained with your office/*which is to be
opened.*3. (i) Opening a new Account-B in *my name/*in the name of
(Name & Address of the depositor)..... for a period of..... days/month/
year with effect from and to transfer the sum of Rs.....
(date)(Rupees
(in figures) (in words)
to the credit in such new Account-B, out of balance standing to the credit in Account-A, No.....
(Pass Book No.....). maintained with your office *in my name/*in the name
of said depositor.....
(Name of the depositor)(ii) I submit herewith the aforesaid Pass Book No..... for the purpose of transfer of
said amount to a new Account-B.4. *The application is made by me as guardian on behalf of aforesaid.....
(Name of the depositor)

..... who is a minor.

5. *The application is made by me as Karta of aforesaid Hindu
undivided family.

6. *The application is made by me as authorised officer of the aforesaid *firm.....
*company/*Association of persons/*Body of individuals.

Date :

SIGNATURE/THUMB IMPRESSION OF THE
 DEPOSITOR/THE GUARDIAN/KARTA/AUTHO-
 RISED OFFICER OF THE DEPOSITOR.

Place :

.....
 ADDITIONAL SPECIMEN

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

- * (1) The deposit in aforesaid Account B, No.....
 Deposit Receipt No.....has been allowed to be
 withdrawn *before maturity/*on maturity/*after maturity and total sum of principal amount
 Rs.....(Rupees)
 (in figures) (in words)
 and sum of Rs.(Rupees)
 (in figures) (in words)
 of interest accrued in said Account-B, No.
 has been transferred on.....to Account-A
 (date)
 No.....Pass Book No.....
 which is already maintained/*which has been opened on.....in the
 (date)
 name of the aforesaid depositor*and the
 (Name of the depositor)
 Pass Book No.....of the newly opened Account-A No.....
 has been delivered onto the above mentioned *applicant/*depositor.
 (date)
- * (2) A new Account-B No.....Deposit Receipt No.....
 for sum of Rs.....
 (in figures)
 (Rupees) has been opened on
 (in words)
for a period of.....days/month/year/s in the name of
 (date)
 aforesaid depositor
 (Name of the depositor)
 and the sum of Rs.(Rupees)
 (in figures) (in words)
 has been transferred to said new Account-B No.....
 on.....out of the balance standing to the credit in the aforesaid Account-A No.
 (date)
of the said depositor.

Date :

OFFICER-IN-CHARGE

Notes : **1. *score out whichever is not applicable.

2. If space provided in a column or columns is not sufficient to furnish the requisite details, same may be furnished by way of using separate enclosure and referring the same under the respective column.

FORM-C

[See sub-paragraph (1) of paragraph 9]

.....
(Name of the Deposit Office)

Serial No.....

APPLICATION FOR WITHDRAWAL OF AMOUNT FROM ACCOUNT-A UNDER
THE CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988.

To

The Manager,
.....
.....
.....
(Name & Address of the Deposit Office)I
(Name of the *applicant/depositor)

son of residing at.....

.....
(Address of the *Applicant/*Depositor)wish to withdraw a sum of Rs..... (Rupees.....
(in figures).....), from the Account-A No.....
(in words)(Pass Book No.....) maintained with your office, in *my name/*the name
of
(Name & address of the depositor)2. I hereby declare and confirm that the amount sought to be withdrawn is proposed to be utilised in
terms of the provisions of *section 54/*section 54B/*Section 54D/*section 54F/*section 54G of the Act for
the following purposes.

- * (i)
 (ii)
 (iii)
 (iv)
 (v)
 (vi)
 (vii)

3. I request you to please pay the aforesaid amount of withdrawal in the following manner :

* (i) Amount of Rs..... (Rupees)
(in figures) (in words)may be paid in cash for the purposes mentioned at serial No.....
of column 2 hereinabove;* (ii) Amount of Rs..... (Rupees)
(in figures) (in words)may be paid to
.....
(Name & address of the party to whom payment is to be made)by way of Pay Order/Demand Draft for the purposes mentioned at Serial No.
of column 2 hereinabove.

4. The application is made by me as guardian on behalf of aforesaid depositor

(Name of the depositor)

who is a minor.

5. The application is made by me as authorised officer of the aforesaid depositor *firm.....
/.....*company/Association or persons/Body of individuals.

6. The application is made by me as Karta of the aforesaid depositor.....
Hindu undivided family.

Date :

SIGNATURE/THUMB IMPRESSION OF THE
DEPOSITOR/*THE GUARDIAN/*KARTA/
*AUTHORISED OFFICER OF THE DEPOSITOR

Place :

.....
ADDITIONAL SPECIMEN
.....
.....

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

(i) Withdrawal for total amount of Rs.....*allowed/*not
allowed because the depositor has not furnished the requisite details in respect of his preceding
withdrawal/not allowed in terms of the provision of sub-paragraph (4) of paragraph 9 as the withdrawal
has been sought in cash.

(ii) Amount of withdrawal has been made as per below :

(a) Cash Rs.

(b) Cheque/Demand Draft issued

(Details may be noted)

Date :

OFFICER-IN-CHARGE

Notes :

1. Delete whatever is not applicable.
2. Please mention the details of purpose for which amount is sought to be withdrawn.
3. Please mention the details of amount sought to be paid in cash and by way of pay Order/Demand Draft with reference to the specific purpose and serial number at which such purpose has been mentioned under column 2 of the application and also the name of the party, account number (if any) of the party in whose favour Demand Draft/Pay Order is sought to be issued.
4. Columns 4, 5, 6 pertain to deposits made on behalf of a minor, a company, a firm, a Hindu undivided family, Association of Persons, Body of individuals. Hence in case of individual deposit these columns may be scored out and in other cases one column which is applicable may be retained and the remaining two columns may be scored out.
5. Details pertaining to column No. 2/3 may be furnished by way of Annexure of Annexures if the space provided in the columns is not sufficient to furnish the details.

FORM—D

(See sub-paragraph (3) of paragraph 9)

To be submitted in duplicate

Name of the Deposit Office

Serial No.

**DETAILS REGARDING THE MANNER AND EXTENT OF UTILISATION
OF THE AMOUNT WITHDRAWN FROM ACCOUNT UNDER THE
CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988**

To

The Manager,

(Name & Address of the Deposit Office)

I,
Name of the applicant/depositors/o residing at
(Address)

am furnishing in terms of sub-paragraph (3) of paragraph 9, the requisite details regarding the manner and extent of
utilisation of the amount of Rs. Rupees
(in figures)

..... withdrawn by me on
(in words) (date)

out of the balance to the credit in *ACCOUNT-A No. (Pass Book No)
maintained with your office in *my name/*in the name of aforesaid
mention the name

& address of the depositor

2. Manner/purpose for which amount withdrawn mentioned hereinabove has been utilised :

Purpose	Amount Rs. P.	Party to whom payment has been made	Vouchr No. Receipt No. (With date)
---------	------------------	--	--

3. I hereby declare and confirm that the amount withdrawn, which is mentioned hereinabove has been utilised
*partly and the balance of Rs. was re-deposited on
to the credit of aforesaid account/*wholly, for the purpose mentioned hereinabove under column 2.

4. This declaration is made by me on behalf of the aforesaid minor depositor of whom
I am guardian.

5. This declaration is made by me on behalf of the aforesaid *firm/*company/a-association of persons*/body of individuals* of whom I am the authorised officer to make this declaration.

6. This declaration is made by me as Karta of the aforesaid., Hindu undivided family.

Date : Signature/Thumb Impression of the
Depositor/Guardian/Karta/authorised
officer of the depositor

Place :

.....
Additional Specimen
.....
.....

PAN and Dist/Ward/Circle/Range where assessed

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

Withdrawal of Rs.
*permitted/*not permitted as the details in respect of total amount of Rs. withdrawn
on.....have not been furnished.

*Applicant/*Depositor has been advised to furnish the details.

Date : Officer-in-charge

Notes : 1. Delete whatever is not applicable.

2. Columns 4, 5, 6 pertain to deposit made on behalf of a minor, firm, company, a Hindu Undivided family, association of persons, body of individuals. Hence, individual depositor may score out these columns and in other case only one column which is applicable may be retained and the remaining columns may be scored out.

3. If space provided under column 2 is not sufficient to furnish the requisite details, same may be furnished by way of using separate enclosure and referring the same under the respective column.

FORM 'E'

[Sec sub-paragraph (1) of paragraph 11]

(To be submitted only in case of individual depositor)

(Name of the Deposit Office)

Serial No.....

FORM OF NOMINATION UNDER THE
CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988

To

The Manager

.....
.....
.....

(Name & address of the Deposit Office)

I, son of

(name of the depositor)

..... residing at
(address)

..... hereby nominate the person(s) mentioned below to whom, to the exclusion of all other persons, in the event of my death, the amount standing to my credit in ACCOUNT-A No. PASS BOOK NO. /ACCOUNT-B No. DEPOSIT RECEIPT NO. Under the CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988, would be payable.

S. Name (s) of the No. Nominee(s)	Relationship	Full Address(es)	Date of birth of Nominee in case of minor
--------------------------------------	--------------	------------------	---

1.
2.
3.

*As the nominee(s) at Serial No.(s) specified above is/are minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari

(Name & full address)

as the person to receive the sum due under the said account(s) in the event of my death during the minority of the nominee(s).

Signature of witness :

Name & Address :

Date :

Signature/Thumb Impression of the
DepositorPAN & DIST./WARD/CIRCLE/RANGE
where assessed

Date

Place

Signature of witness

Name & Address :

Date :

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

The above nomination has been registered on.....and entry has been made in the Pass Book No.....for Account-A No...../Deposit Receipt No.....for Account-B No.....

Date :

OFFICER-IN-CHARGE

Note : Delete whatever is not applicable. If space provided under the columns hereinabove is not sufficient to furnish the requisite details, the same may be done by way of using separate enclosure and referring the same under the respective columns.

FORM 'F'

[See sub-paragraph (3) of paragraph II]

(Name of the Deposit Office)

Serial No

**APPLICATION FOR CANCELLATION OR CHANGE OF NOMINATION PREVIOUSLY
MADE IN RESPECT OF ACCOUNT UNDER THE CAPITAL GAINS
ACCOUNTS SCHEME, 1988.**

To

The Manager

.....

.....

(Name & Address of the deposit office)

I,son of.....
residing at.....
(Address of the depositor)

hereby cancel the nomination made by me in respect of my Account/Accounts mentioned under column 2 hereunder

2. Details of Account/Accounts :

(1) ACCOUNT-A No.

Nomination made on.....
in favour of.....

(2) ACCOUNT-B No.

Nomination made on.....
in favour of.....

3. *In the place of the cancelled nomination referred to under column 2 hereinabove, I hereby nominate the person(s) mentioned below to whom, to the exclusion of all other person, in the event of my death, the amount standing to my credit in the account/accounts mentioned under column 2 hereinabove would be payable.

S. No.	Name of the Nominee(s)	relationship	Full Address(es)	Date of Birth of nominee in case of minor
--------	------------------------	--------------	------------------	---

1.
2.
3.

4. As the nominee(s) at serial No. (s).....stated above is/are minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari.....

(Name & full Address)

as the person to receive the sum due under the said account(s) in the event of my death during the minority of the nominee(s)

Signature of witness.....

Name and Address.....

Date :

Place :

Signature/Thumb Impression
of the Depositor
Pan & Dist./Ward/Circle/Range where
Assessed

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

The nomination referred to under column 2 hereinabove has been cancelled* and fresh nomination as per column 3 hereinabove has been registered on.....and accordingly entry has been made in the Pass Book for Account-A No.....Deposit receipt No.....for Account-B No.....referred to under the column 2 hereinabove.

OFFICER-IN-CHARGE

Date :

*Note : *Delete whatever is not applicable. If space provided under the columns hereinabove is not sufficient to furnish the requisite details, the same may be done by way of using separate enclosure and referring the same under the respective column.

FORM-G

[See sub-paragraph (1) of paragraph 13]

(To be submitted by the depositor)

.....
(Name of the Deposit Office)

Serial No.....

APPLICATION FOR CLOSING THE ACCOUNT
UNDER THE CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988
BY THE DEPOSITOR

To

The Manager,

.....

.....

.....

(Name & Address of the Deposit Office)

I,.....agedyears,.....
(Name of the depositor/*Applicant)

son of.....residing at.....

.....

(Address of the *applicant/*depositor)

hereby apply in terms of sub-paragraph (1) of paragraph 13 of the Scheme, to close the *account/*accounts mentioned below, which *is/*are maintained, with your office *in my name/*in the name of.....

.....

(Name & Address of the Depositor)

2. Details of Account/Accounts :

(i) ACCOUNT-A No.....Pass Book No.....

(ii) ACCOUNT-B No.....Deposit Receipt No.....

3. I tender herewith the *Pass Book/*Deposit Receipt mentioned hereinabove.

4. The application is made by me as guardian on behalf of aforesaid depositor who is a minor and whose date of birth is.....

5. The application is made by me as authorised officer of the aforesaid depositor, the *firm.....
.....*company, association of
persons.....body of individuals.....

6. The application is made by me as Karta of the aforesaid depositor....., a Hindu undivided family.

Signature/Thumb Impression of the
Depositor/Guardian/Karta/Authorised
Officer of the Depositor

.....

Date :

Additional Specimen

Place :

.....

.....

APPROVED

[Signature (with date) and stamp of Assessing Officer having jurisdiction]

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

(Details of *Account/*Accounts closed and total amount paid may be recorded)

1.
2.
3.
4.
5.
6.

Date :

Officer-in-Charge

Notes : 1. *Delete whatever is not applicable.

2. Columns 4, 5, 6 pertain to deposit made on behalf of a minor, firm, company, association of persons, body of individuals, a Hindu undivided family. Hence in case of individual depositor these columns may be scored out. In other case, only one respective column may be retained and the remaining two may be scored out.

FORM-H

[See sub-paragraphs (2) and (3) of paragraph 13]

(To be submitted by the Nominee/Legal heir of the deceased depositor)

.....
(Name of the Deposit Office)

Serial No.

APPLICATION FOR CLOSING THE ACCOUNT UNDER THE
CAPITAL GAINS ACCOUNTS SCHEME, 1988, BY THE NOMINEE/
LEGAL HEIR OF THE DECEASED DEPOSITOR

To

The Manager

.....

.....

(Name & Address of the Deposit Office)

I/We.....

(Name & Address of the nominee/legal heir of the deceased depositor)

hereby apply in terms of sub-paragraphs (2)/(3) of paragraph 13 of the Scheme to close the *account/*accounts mentioned below, which *is/*are maintained with your office in the name of the deceased depositor,.....

(Name & address

.....
of the depositor and PAN and Dist./Ward/Circle/Range where assessed)

2. In terms of *sub-paragraph (6) of the paragraph 11, I,.....aged.....years

(Name of the nominee)

son of....., (.....)

(full address)

am entitled to obtain payment due to the credit in the *account/*accounts mentioned under column 4 hereunder.
(In case application is made by the nominee).

3. I,.....aged.....years,

(Name of the legal heir)

son of.....resident of.....

(full address)

am making this application to obtain the payment due to the credit in the *account/*accounts mentioned under column 4 hereunder and submit herewith the letter(s) of disclaimer given by all other legal heirs.

4. Details of *Account/*Accounts

(i) ACCOUNT—A No.....Pass Book No.....

(ii) ACCOUNT—B No.....Deposit Receipt No.....

5. *I/*We tender herewith the *Pass Book/*Deposit Receipt mentioned hereinabove.

Signature/Thumb Impression of the
Nominee/Legal heir of the deceased
Depositor.....
Additional Specimen

Date :

Place :

APPROVED

Signature (with date) and stamp of Assessing Officer having jurisdiction.

FOR THE USE OF DEPOSIT OFFICE

(Details of Account/Accounts closed and total amount paid to the nominee/legal heir, may be recorded)

1.
2.
3.
4.
5.

Date

Officer-in-charge

Notes : 1. *Delete whatever is not applicable.

2. Pass Book/Deposit Receipt as the case may be, should be enclosed.

3. Column 2 pertains to claim made by nominee and column 3 pertains to claim made by legal heir(s)
Hence the column which is not applicable may be scored out.

[No. 8014/F. No. 133/113/87-TPL]

A. N. Prasad, Director (TPL—I)